कृषि नवाचार
ISSN: 3048-6092
https://www.krishinavachar.in
खण्ड 02 भाग 01 अप्रैल, 2025

फूलगोभी का साल भर उत्पादन

सुभाष वर्मा
सहायक प्राध्यापक, कृषि विद्यालय, दमोह (म.प्र.)-470661
***E-mail: Subhashverma0052@gmail.com**

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने फूलगोभी के साल भर उत्पादन की एक उन्नत तकनीक विकसित की है। इस तकनीक में फूलगोभी की कुछ किस्मों का चयन किया गया है। और उन्हें अलग-अलग श्रेणी जैसे अर्ली मे दो समूहों (एक्स्ट्रा अर्ली और अर्ली)। और इस प्रकार मध्य में भी दो समूह (मध्य पूर्व और मध्य देर) और फिर देर मे भी दो समूह (लेट और एक्स्ट्रा लेट) श्रेणी मे विभाजन किया गया। सभी कल्चरल क्रियाएँ समान रूप अपनाई जाती हैं जो कि सामान्य फूलगोभी की खेती में किया जाता है। इस प्रकार फूलगोभी की साल भर खेती की जाती है। फूलगोभी के पूरे वर्ष उत्पादन में उचित खरपतवार प्रबंधन और उचित पोषक प्रबंधन बहुत ज़रूरत होती है। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान ने सेवरल किस्में को विकसित किया जो अलग-अलग तापमान में उगाई जा सकती हैं। इस प्रकार फूलगोभी की साल भर खेती के लिए उचित समय पर नर्सरी को तैयार करना और उचित समय पर रोपाई करना आवश्यक है। इसकी कुशल खेती के लिए उचित सिंचाई और उचित कीट और रोग प्रबंधन आवश्यक है। फूलगोभी का साल भर उत्पादन कैसे किया जाता है नीचे तालिका में दिया गया है।

फूलगोभी की खेती

1. जलवायु और भूमि चयन
- फूलगोभी की खेती के लिए ठंडी जलवायु उपयुक्त होती है।
- 20-25 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि के लिए आदर्श है।
- दोमट मिट्टी, जिसमें जल निकासी की अच्छी सुविधा हो, इसकी खेती के लिए बेहतर होती है। मिट्टी का पीएच 6-7 के बीच होना चाहिए।

2. बीज की किस्में
- गर्मियों और बरसात के लिए: पूसा स्नोबॉल, पूसा दीपाली।
- ठंड के मौसम के लिए: पूसा हिमज्योति, पूसा सिंधु।

3. बुवाई का समय
- प्रारंभिक किस्में: जुलाई-अगस्त, मध्यम किस्में: सितंबर-अक्टूबर, देर वाली किस्में नवंबर-दिसंबर।

4. भूमि की तैयारी
- खेत को अच्छी तरह से जुताई करके मिट्टी को भुरभुरा बनाएं।
- खेत में गोबर की खाद या जैविक खाद डालें (25-30 टन/हे.)।

5. बीज की बुवाई
- नर्सरी में बीज की बुवाई करें।
- बीज की गहराई 1-1.5 सेमी रखें।
- 4-6 सप्ताह बाद पौधों को खेत में रोपाई करें।

6. सिंचाई
- पहली सिंचाई रोपाई के तुरंत बाद करें।
- इसके बाद मिट्टी की नमी के अनुसार सिचाई करें।
- जल भराव से बचें।

7. उर्वरक प्रबंधन
- नाइट्रोजन: 120-150 किलो/हेक्टेयर।
- फॉस्फोरस: 60-80 किलो/हेक्टेयर।
- पोटाश: 40-60 किलो/हेक्टेयर।
- रोपाई के 3-4 सप्ताह बाद टॉप ड्रेसिंग करें।

8. कीट और रोग प्रबंधन
- **कीट:** डायमंड बैंक मॉथ, पत्ता खाने वाले कीड़ो कें लिये नीम के तेल का छिडकाव या जैविक कीटनाशकों का उपयोग करें।
- **रोग:** डाउनी मिल्ड्यू, ब्लैक रोट रोगो कें लिये प्रतिरोधी किस्मों तथा उचित फफूंदनाशकों का उपयोग करें।

9. फसल की कटाई
- फूल पूरी तरह विकसित और सफेद रंग के हो, तब कटाई करें।
- कटाई सुबह या शाम के समय करें।

10. उत्पादन:
- उपज: 250-300 क्विंटल / हेक्टेयर।
- उत्पादन किस्म, जलवायु और प्रबंधन पर निर्भर करता है।

	परिपक्वता समूह	किस्में / संकर	बुवाई का समय	टेम्परेचर कर्ड	उपलब्धता
अर्ली	एक्स्ट्रा अर्ली	पूसा मेघना, पूसा सिंथेटिक	इंड ऑफ मई	20-27° सेल्सियस	अगस्त से सितंबर के अंत तक
	अर्ली	पूसा दीपाली, पूसा केतकी,	जून	20-25° सेल्सियस	अक्टूबर से नवम्बर
मिड अर्ली	मध्य अर्ली	पूसा सरद, पूसा हाइब्रिड-2] इम्प्रोवेद जापनिज	इंड ऑफ जुलाई से अगस्त	16-20° सेल्सियस	नवम्बर से दिसम्बर
	मध्य देर	पूसा हिम्ज्योती, पूसा सुभ्रा	अगस्त से सितंबर के अंत तक	12-16° सेल्सियस	दिसम्बर से जनवरी
लेट	लेट	पूसा स्नोबॉल-1, पूसा सिंथेटिक के-1, पूसा सिंथेटिक के- 25	अक्टूबर से दिसम्बर	10-16° सेल्सियस	जनवरी से मार्च
	एक्स्ट्रा लेट	कला पत्ता	जनवरी से फरवरी	18-32° सेल्सियस	अप्रैल से मई